श्याम तेरे भक्तों को तेरा ही सहारा है | Nand Kishor Sharma "Nandu"

श्याम तेरे भक्तों को
तेरा ही सहारा है।
आशा निराशा ने
घेरा, परेशान हूँ।
कैसे बचूँ इनसे,
आखिर तो इंसान हूँ।
तेरी दया के बिना साँवरिया,
अपना न गुज़ारा है॥

मालिक तेरे जग का
अंदाज़ निराला है।
भक्तों को पीना पड़ा,
यहाँ ज़हर का प्याला है।
परवाह कभी न धरे साँवरिया,
जिन साथ तुम्हारा है॥

किसको कहें अपना,
अपने भी बेगाने हैं।
फुर्सत नहीं इनको,
मतलब के दीवाने हैं।
प्रेमी से अपने मिला साँवरिया,
जो तुझको दुलारा है॥

मीत बनो मेरे, हमें तेरी ज़रूरत है।
अपनों की खातिर सुना,
तुम्हें फुर्सत ही फुर्सत है।
नंदू तेरी खातिर साँवरिया,
किया सबसे किनारा है॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be/